छाया



लेखक

श्रीयुत पं० जगदीश झा 'विमल'



जीवन की सहचरी जगत की चचल जीवन-छाया ।
छुपा रही उसको अचल में विश्व मोहिनी माया ॥



प्रकाशक

पण्डित जगदेव पाण्डेय बुकसेलर, मुँगेर



प्रथमावृत्ति १०००]   १९२८   [मूल्य राज स० ॥≈)